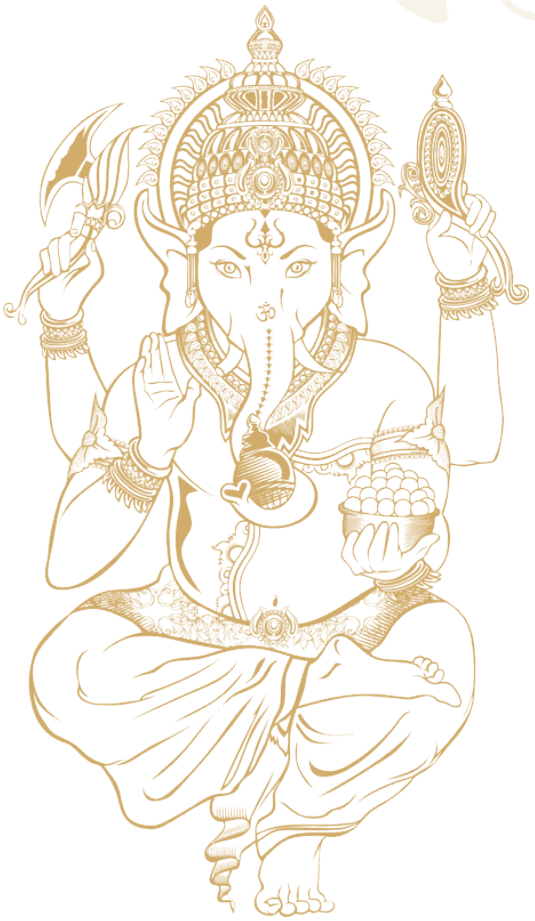

Rana

Ritu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121166813

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
8-09/01/1997	जन्म तिथि	11/07/2001
बुध-गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 00:15:00	जन्म समय	17:00:00 घंटे
घटी 42:28:57	जन्म समय(घटी)	28:42:04 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Khair
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	27:57:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:18:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:25	सूर्योदय	05:30:14
17:41:17	सूर्यास्त	19:17:46
23:48:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:26

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 11वर्ष 4मा 16दि		20:58:49	कन्या	लग्न	वृश्चि	24:00:39	गुरु 4वर्ष 5मा 28दि	
मंगल		24:43:30	धनु	सूर्य	मिथु	25:21:07	बुध	
26/05/2024		19:04:53	धनु	चंद्र	कुंभ	29:35:13	08/01/2025	
27/05/2031		07:48:50	कन्या	मंगल व	वृश्चि	21:44:18	08/01/2042	
मंगल	22/10/2024	10:26:35	धनु व	बुध	मिथु	04:29:01	बुध	07/06/2027
राहु	10/11/2025	03:09:50	मक	गुरु	मिथु	05:47:14	केतु	03/06/2028
गुरु	17/10/2026	04:22:10	धनु	शुक्र	वृष	12:26:44	शुक्र	04/04/2031
शनि	26/11/2027	07:57:29	मीन	शनि	वृष	16:16:13	सूर्य	08/02/2032
बुध	22/11/2028	07:54:32	कन्या व	राहु व	मिथु	12:24:20	चन्द्र	10/07/2033
केतु	20/04/2029	07:54:32	मीन व	केतु व	धनु	12:24:20	मंगल	07/07/2034
शुक्र	20/06/2030	09:53:29	मक	हर्ष व	कुंभ	00:16:20	राहु	23/01/2037
सूर्य	26/10/2030	03:18:08	मक	नेप व	मक	14:00:43	गुरु	01/05/2039
चन्द्र	27/05/2031	10:49:17	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:08:05	शनि	08/01/2042

लग्न-चलित

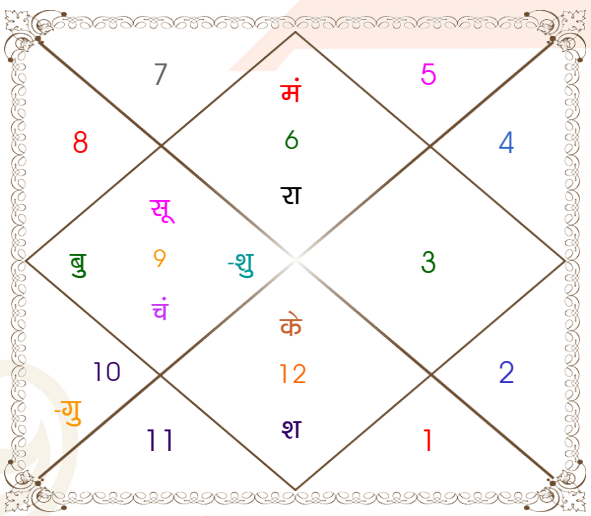

लग्न-चलित

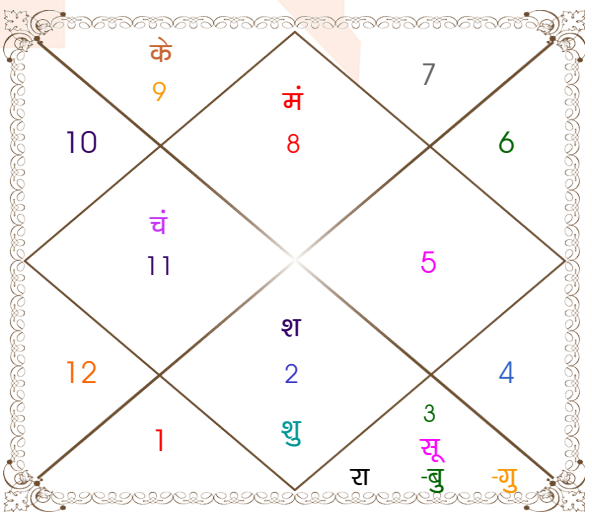

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Rana का वर्ग सर्प है तथा Ritu का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rana और Ritu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rana मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Rana कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ritu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ritu कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Rana कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rana तथा Ritu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।